# समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026


## हनुमानगढ़ मे मंहिला सुरक्षा को नई मजबूती : SP नरेद्रं सिंह मीना की अध्यक्षता मे "महिला सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम", 38 महिलाओं का हुआ सम्मान


राजेश चौधरी



Published on 11 Jul 2026

***[illegible] [illegible] | [illegible] | [illegible] [illegible] [illegible]***

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हनुमानगढ़ पुलिस द्वारा "महिला सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम – संवाद एवं सम्मान समारोह" का भव्य आयोजन किया गया। सेंट्रल पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक (SP) **श्री नरेद्रं सिंह मीना (IPS)** ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा संबंधी सरकारी सुविधाओं, हेल्पलाइन सेवाओं और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में महिलाओं, छात्राओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, समाजसेवा एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली **38 महिलाओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित** किया गया।

### महिला सुरक्षा को लेकर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को राजस्थान पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न सुरक्षा सेवाओं और योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उपस्थित महिलाओं को **RajCop Citizen App** के **SOS फीचर**, **1090 महिला हेल्पलाइन**, **112 आपातकालीन सेवा**, **1930 साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन**, **महिला बीट अधिकारी योजना** तथा जिले में संचालित **09 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट** के बारे में विस्तार से बताया गया।

अधिकारियों ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएं इन सुविधाओं का तुरंत उपयोग कर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती हैं।

### साइबर अपराधों से बचाव के दिए गए सुझाव

कार्यक्रम में पुलिस की साइबर सेल की टीम ने भी सहभागिता की। विशेषज्ञों ने ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर फ्रॉड, फर्जी कॉल, ओटीपी शेयरिंग, सोशल मीडिया ठगी और डिजिटल बैंकिंग से जुड़े अपराधों से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

महिलाओं को बताया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर बिना देर किए **1930 हेल्पलाइन** या राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

### आत्मरक्षा का लाइव प्रदर्शन बना आकर्षण

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीके भी सिखाए गए। प्रशिक्षकों द्वारा लाइव डेमो प्रस्तुत कर यह बताया गया कि विपरीत परिस्थितियों में किस प्रकार महिलाएं अपनी सूझबूझ और आत्मविश्वास के बल पर स्वयं की सुरक्षा कर सकती हैं।

इस प्रदर्शन को उपस्थित महिलाओं ने काफी सराहा और इसे अत्यंत उपयोगी बताया।

### 38 महिलाओं का हुआ सम्मान

समारोह का सबसे प्रेरणादायक क्षण वह रहा जब समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली **38 महिलाओं को सम्मानित** किया गया। इन महिलाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, समाजसेवा एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है।

पुलिस विभाग ने उनके योगदान की सराहना करते हुए प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए और भविष्य में भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने रहने की शुभकामनाएं दीं।

### SP नरेंद्रं सिंह मीना ने दिया जागरूकता का संदेश

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक **नरेंद्रं सिंह मीना** ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है।

उन्होंने कहा कि जागरूकता, सतर्कता और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से ही महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा सकता है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की घटना या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें तथा उपलब्ध सुरक्षा सुविधाओं का अधिकाधिक उपयोग करें।

### वरिष्ठ अधिकारियों की रही मौजूदगी

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक **अरविंद बिश्नोई**, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक **राज कंवर**, **सीओ मीनाक्षी**, महिला थाना प्रभारी **रजनदीप कौर** सहित पुलिस विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिलेभर से आईं सैकड़ों महिलाओं, छात्राओं और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।

### महिला सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता

हनुमानगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम महिला सुरक्षा, जागरूकता और सम्मान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि महिलाओं को सुरक्षित, आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना भी है। ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ पुलिस और आमजन के बीच विश्वास को भी मजबूत करते हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/राजेश चौधरी, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.